Citybhaskar CITY ACTIVITY जबलपुर, मंगलवार, 03 दिसम्बर 2019 . 04

बाँस के उत्पादन के लिए जरूरी है गुणवत्ता पूर्ण रोपण सामग्री

उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

सिटी रिपोर्टर, जबलपुर। बाँस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा बांस तकनीकी सहायता समूह, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अंतर्गत बाँस नर्सरी और प्रबंधन पर छह दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित हो रहे इस प्रशिक्षण में युवाओं, उद्यमियों और किसानों को अपनी आजीविका के लिए बांस की खेती के लिए बेहतर रोपण सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान, डॉ. जी. राजेश्वर राव, निदेशक टीएफआरआई ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और गुणवत्ता वाले बांस के उत्पादन के लिए रोपण सामग्री के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने क्षेत्रों में प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए गुणवत्ता वाले बांस के उत्पादन द्वारा अपनी आय को अधिकतम करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. फातिमा शिरीन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में विभिन्न संस्थानों के लगभग 25 छात्र भाग ले रहे हैं। उद्घाटन के दौरान डॉ. अरुण कुमार, गीता जोशी, प्रमोद कुमार तिवारी, नसीर मोहम्मद सहित अन्य वैज्ञानिक और संस्थान के अधिकारी भी उपस्थित थे।

पत्रिका PLUS CITYLIVE JABALPUR WEDNESDAY 04/12/2019 08

'उन्नत प्रजाति के बांस के पौधे लगाएं किसान'

जबलपुर ◆ ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान में बांस तकनीकी सहायता समूह, भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अंतर्गत बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इस मौके पर उद्यमियों और किसानों को बांस की खेती के आजीविका का साधन बनाने की प्रेरित किया गया। संस्थान डायरेक्टर डॉ. जी राजेश्वर राव ने कहा, बांस बहुउपयोगी है। आधुनिक दौर में बांस के नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। बांस की बेहतर प्रजाति का चयन करें तो यह और फायदेमंद साबित होगा। वैज्ञानिक डॉ. फातिमा शिरीन ने बांस के माध्यम से आय बढ़ाने के तरीके बताए। प्रशिक्षण में किसान एवं छात्र-छात्राएं शामिल हुईं।

राज एक्सप्रेस | महानगर मंगलवार, 3 दिसम्बर, 2019 www.rajexpress.co 2 जबलपुर

बांस की खेती से परिचित होंगे युवा, उद्यमी और किसान

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जबलपुर ■ राज न्यूज नेटवर्क

बांस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य को लेकर उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई द्वारा बांस नर्सरी और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर संस्थान निदेशक डॉ. जी. राजेश्वर राव ने बताया कि इस प्रशिक्षण में युवाओं, उद्यमियों और किसानों को अपनी आजीविका के लिए बांस की खेती के लिए बेहतर रोपण सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। बांस तकनीकी सहायता समूह-भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के अंतर्गत बांस नर्सरी और प्रबंधन पर छह दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय बांस मिशन एनबीए नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित है। उद्घाटन के दौरान अतिथियों द्वारा बांस नर्सरी और प्रबंधन प्रशिक्षण मैनुअल का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र डॉ. राव ने प्रतिभागियों को गुणवत्ता वाले बांस के उत्पादन के लिए रोपण सामग्री के महत्व के बारे में बताया। डॉ. फातिमा शिरीन, वैज्ञानिक और प्रशिक्षण समन्वयक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की अनुसूची के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. अरुण कुमार, गीता जोशी, प्रमोद कुमार तिवारी, प्रगतिशील किसान, उद्यमी और विभिन्न यूनिवर्सिटीज के छात्र मौजूद रहे।

The Hitavada
JABALPUR ■ Tuesday ■ December 3 ■ 2019

Training on bamboo nursery, mgmt begins

Release of Bamboo nursery and Management training manual by the dignitaries during inauguration of the training programme at TFRI.

■ Staff Reporter

WITH the objective to contribute holistic growth of bamboo sector, a six-day training programme on bamboo nursery and management is being organised under Bamboo Technical Support Group-Indian Council of Forestry Research and Education by Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur. The training is been organised to encourage and hone the skills of youth, entrepreneurs and farmers for quality cultivation of Bamboo and is being funded by National Bamboo mission (NBM), New Delhi.

During the inaugural session of the training programme, Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI welcomed the participants and accentuated on development of planting material for quality production of Bamboos. He enunciated about expertise and various trainings conducted by the institute on Bamboos. He also entreated the participants to practice learning from the training on their fields to maximize their income through production of quality Bamboos.

Dr. Fatima Shirin, Scientist and Training coordinator briefed about the schedule of the training program. Emphasising on the importance of need to increase the availability of quality planting material by supporting the setting up of new nurseries and strengthening of existing ones envisaged in the Bamboo mission. She briefed about their importance and its various commercial varieties. Lastly, she outlined measures taken by government for facilitation of its transit and organization of various skill development programme to encourage income generation through Bamboos. Training manual on Bamboo nursery and Management was also released by the dignitaries during the inaugural of the training programme.

Dr Arun Kumar, Dr Geeta Joshi, Dr Avinash Jain, Dr Pramod Kumar Tiwari, Dr Naseer Mohammad along with other scientists and officers of the institute were also present during the inaugural of the training programme.

Around 25 progressive farmers, entrepreneurs from Sehora, Jabalpur and Rewa and students from various universities like Jawaharlal Nehru Krishi Vishwa Vidyalaya, Banaras Hindu University are participating in the training.